HINDI
Paper I
(LITERATURE)

Time allowed: Three Hours	*Maximum Marks: 250*

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided into two SECTIONS.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION-'A'

1. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: $10 \times 5 = 50$
   (a) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
   (b) मध्यकाल में काव्य-भाषा के रूप में प्रयुक्त ब्रज की विशेषताएँ
   (c) उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली की स्थिति
   (d) खुसरो की काव्य-भाषा की मुख्य विशेषताएँ
   (e) अपभ्रंश की व्याकरणिक विशेषताएँ

2. (a) रहीम की कविता की मार्मिकता पर प्रकाश डालिये। 20
   (b) हिंदी के प्रचार-प्रसार के आंदोलन में किन्हीं दो प्रमुख संस्थाओं के योगदान पर प्रकाश डालिये। 15
   (c) पश्चिमी हिंदी की किन्हीं दो बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिये। 15

3. (a) "हिंदी में वैज्ञानिक लेखन की स्थिति अभी भी संतोषप्रद नहीं है।" इस कथन का सोदाहरण उत्तर दीजिये। 20
   (b) दक्खिनी हिंदी का परिचय दीजिये। 15
   (c) हिंदी की तकनीकी शब्दावली के निर्माण में आने वाली बाधाओं का वर्णन कीजिये। 15

4. (a) राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालिये। 20
   (b) विश्व हिंदी-सम्मेलनों की सार्थकता पर अपना मत व्यक्त कीजिये। 15
   (c) 'हिंदुस्तानी' की पृष्ठभूमि का परिचय दीजिये। 15

SECTION 'B'

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: $10 \times 5 = 50$
   (a) तुलसीदास की प्रासंगिकता
   (b) केशव की संवाद-योजना की विशेषताएँ
   (c) 'ब्राह्मण' पत्र के माध्यम से प्रताप नारायण मिश्र का हिंदी-पत्रकारिता को प्रदत्त योगदान
   (d) हिंदी रंगमंच : दशा, दिशा, संभावना
   (e) कृष्णा सोबती की कहानियाँ : कथ्य का वैविध्य

6. (a) 'कामायनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की सौंदर्य-चेतना पर प्रकाश डालिये। 20
   (b) यशपाल की विचारधारा पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये। 15
   (c) 'मैला आँचल' के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 15

7. (a) रामविलास शर्मा के आलोचना-कर्म की सीमाओं का वर्णन कीजिये। 20
   (b) मोहन राकेश के नाट्य-शिल्प की 'आधे-अधूरे' नाटक के आधार पर समीक्षा कीजिये। 15
   (c) "'तारसप्तक' का प्रकाशन हिंदी कविता के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ था।" इस कथन का तर्कसंगत उत्तर दीजिये। 15

8. (a) 'ललित निबंधकार' के रूप में हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध-कला का विवेचन कीजिये। 20
   (b) कांतिकुमार जैन के संस्मरणों के वैशिष्ट्य का निरूपण कीजिये। 15
   (c) "'अज्ञेय' के यात्रा-वर्णन उनके व्यक्तित्व का दर्पण है।" इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिये। 15